सूबे के सारण, मुजफ्फरपुर, कटिहार व पूर्णिया की जमीन पर पौधे लगाकर किया गया था परिक्षण

बिहार के जलवायु के लिए मुफीद पॉपुलर के पांच क्लोन प्रभेद हुए रिलीज

नई खोज

गोपालगंज | **मनीष कुमार भारतीय**

बिहार के जलवायु के लिहाज से पॉपुलर के पांच क्लोन प्रभेद को रिलीज कर दिया गया है। इसमें पॉपुलर डेल्टोइड्स क्लोन के क्षितिज व रोहिणी व हाई ब्रिड के खुशी, आरंभ व लक्ष्मी हाईब्रिड क्लोन प्रभेद शामिल हैं। इन प्रभेदों को वन उत्पादकता संस्थान, रांची के वैज्ञानिक ने विकसित किया है। बिहार के अलग-अलग चार जिलों में इन क्लोन प्रभेदों का करीब छह साल परीक्षण करने के बाद दो दिन पूर्व इसे रिलीज किया गया। भारत सरकार के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के महानिदेशक, अनुसंधान के उपमहानिदेशक व वन उत्पादकता संस्थान रांची के निदेशक के समूह ने इन प्रभेदों को रिलीज किया।

मधुबनी के वैज्ञानिक की कड़ी मेहनत से मिली कामयाबी : बिहार के लिए मुफीद पॉपुलर के छह नए क्लोन प्रभेदों को तैयार करने में वैज्ञानिक ने कड़ी मेहनत की। वन उत्पादकता संस्थान, रांची के वैज्ञानिक व मधुबनी निवासी आदित्य कुमार ने गहन अनुसंधान व प्रजनन प्रक्रिया के बाद इसे विकसित करने में कामयाबी पायी। इस पर अनुसंधान 2013-14 में शुरू किया गया था। बिहार के सारण, मुजफ्फरपुर, कटिहार व पूर्णिया की जमीन में पॉपुलर के जीनोटाइप क्लोन लगा कर परीक्षण किया गया। इसके मूल्यांकन क्षेत्रीय विविधता परीक्षण समिति (आरवीटीसी) द्वारा किया गया था। इसके बाद समिति ने इन प्रभेदों को रिलीज करने की सिफारिश की।

परीक्षण

- वन विभाग के महानिदेशक सहित देश के कई संस्थानों के प्रमुखों ने किया जारी
- छह वर्षों की कड़ी मेहनत करने के बाद पांच नए प्रभेदों को विकसित करने में मिली सफलता

बिहार के पूर्णिया में पॉपुलर के परीक्षण के लिए लगाए गए जीनोटाइप क्लोन।

करीब छह वर्षों के परीक्षण, अनुसंधान व मूल्यांकन के बाद बिहार के जलवायु के लिए उपयुक्त पॉपुलर के पांच क्लोन वेरायटी को रिलीज कर दिया गया है। इससे किसानों को परंपरागत पॉपुलर के पौधे की तुलना में दोगुनी से भी अधिक आमदनी होगी। केवल सात-आठ वर्षों में पौधे तैयार हो जाएंगे।

आदित्य कुमार वैज्ञानिक

प्रभेद का नाम	इतने वर्ष में होंगे तैयार	अनुमानित आमदनी
क्षितिज	6 से 7 वर्ष	3.56 हजार प्रति हेक्टेयर / प्रति वर्ष
रोहिणी	6 से 7 वर्ष	3.50 हजार प्रति हेक्टेयर / प्रति वर्ष
खुशी	6 से 7 वर्ष	3.56 हजार प्रति हेक्टेयर / प्रति वर्ष
आरंभ	7 से 8 वर्ष	3.21 हजार प्रति हेक्टेयर / प्रति वर्ष
लक्ष्मी	6 से 8 वर्ष	3.77 हजार प्रति हेक्टेयर / प्रति वर्ष

पॉपुलर के तीन प्रमुख उपयोग

- इसकी लकड़ी से अच्छी क्वालिटी की बनती है प्लाईवुड
- इसकी लुगदी से तैयार किया जाता है चिकना कागज
- माचिस की तिली बनाने में भी होता है इसकी लकड़ी का उपयोग

नए प्रभेदों की तीन खासियत

- पौधे के विकसित होने पर जलवायु का नहीं पड़ेगा विशेष प्रभाव
- अधिकतम सात से आठ वर्षों में ही किसानों को होने लगेगी आय
- उच्च गुणवत्ता युक्त होने के कारण लकड़ी का मिलेगा ज्यादा दाम

क्लोन विकसित करने वाले वैज्ञानिक आदित्य कुमार। • हिन्दुस्तान